सोमवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

07 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 152
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

महिला साइबर ठग गिरफ्तार

❑फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल व अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों का करती थी उपयोग

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड एसटीएफ के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून की टीम द्वारा साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी एक महिला को ऋषिकेश के श्यामपुर क्षेत्र, देहरादून (उत्तराखंड) से गिरफ्तार किया गया है। आरोप महिला फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल व अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों का उपयोग कर लोगों को ठगा करती थी। जिसने पीडिता को खुद के सरकारी एजेंसी की अधिकारी बताकर लगभग 40 लाख रूपये की धोखाधडी को अंजाम दिया था। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त 2 मोबाइल फोन, 3 डेबिट काड्र्स व 2 सिम काड्र्स बरामद हुए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, नवनीत सिंह द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि एक प्रकरण देहरादून निवासी पीड़िता द्वारा मई 2025 में दर्ज कराया गया था। पीड़िता को व्हाट्सएप पर अमेरिका के नंबर से कॉल कर एक महिला ने स्वयं को सरकारी एजेंसी की अधिकारी बताया। व्हाट्सएप पर फर्जी प्रोफाइल के माध्यम से विश्वास जीतकर पीड़िता को गोल्ड का बिजनेस शुरू करने हेतु रा मैटेरियल खरिदने के नाम पर उससे बार-बार ध नराशि स्थानांतरित करवाई गई। पूरे अपराध में अंतरराष्ट्रीय व्हाट्सएप नंबर, फर्जी पहचान, और तकनीकी माध्यमों का उपयोग कर मानसिक रूप से पीड़ित पर नियंत्रण बनाया गया। पीड़िता को इस बात का आभास भी नहीं हुआ कि वह एक सुनियोजित साइबर ठगी का शिकार बन रही है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों /व्हाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनियों, मेटा कम्पनी से पत्राचार कर डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से जानकारी मिलने के बाद साइबर थाना पुलिस ने महिला साइबर ठग को चिन्हित कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी। साईबर टीम द्वारा विधिक प्रावधानों के अन्तर्गत प्रकाश में आयी महिला आरोपी रमनदीप कौर पुत्री दलजीत सिंह, सराली कलां, जिला तरण तारण, पंजाब के रूप में की गई जिसके द्वारा फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल व अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों उपयोग कर लाखों की साइबर ठगी को अंजाम देने के लिए अलग-अलग नामों से व्हाट्सएप प्रोफाइल व इंटरनेशनल नंबरों का इस्तेमाल किया जाता था इसी क्रम में आरोपी रमनदीप कौर पुत्री दलजीत सिंह को ऋषिकेश के श्यामपुर क्षेत्र, देहरादून (उत्तराखंड) से गिरफ्तार किया गया है। जिससे पूछताछ में पता चला कि आरोपित महिला ने साईबर अपराध हेतु जिस बैंक खातों का प्रयोग किया गया है उसमें मात्र 1-2 माह में ही लाखों रूपयों का लेन-देन होना प्रकाश में आया है। जाँच में यह भी पता चला कि आरोपित महिला के बैंक खाते के खिलाफ देश के कई राज्यों में कुल 4 साईबर अपराधों की शिकायतें दर्ज हैं।

महज औपचारिकता बना चुनाव ?

●हाईकोर्ट कल करेगा चुनाव पर फैसला, पर्याप्त संख्या में प्रत्याशी भी नहीं मिले

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। तमाम विवादों के बाद जारी इस चुनावी प्रक्रिया में तमाम ऐसे अवरोध अभी भी बरकरार हैं जो इन चुनावों की सार्थकता पर सवाल खड़ा कर सकते हैं। पंचायत चुनाव के लिए जरूरी दो तिहाई उम्मीदवारों का न मिल पाना चुनाव के प्रति आम आदमी की उदासीनता को तो दर्शाता ही है इसके साथ ही उन क्षेत्रों में चुनाव आयोग को दोबारा चुनाव कराने की बाध्यता पैदा कर देगा जहां दो तिहाई से कम सीटों पर चुनाव होगा।

ग्राम पंचायत के 5 हजार से अधिक पदों के लिए सिर्फ 2800 यानी 50 फीसदी के आसपास ही उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र भरा है। ऐसे में चुनाव के बाद भी चुनाव आयोग को उन पंचायतों में दोबारा चुनाव कराने पड़ेंगे जिनके दो तिहाई से कम सीटों पर प्रत्याशियों ने पर्चे नहीं भरे हैं। खाली ग्राम प्रधानों के चुनाव से कुछ नहीं होने वाला है। सरकार द्वारा पहले चुनाव के लिए बरती गई उदासीनता और समय पर चुनाव न कराना तथा चुनाव की प्रक्रिया का बार-बार बाधित होना और आरक्षण रोस्टर को लेकर उठने वाले सवालों का समाधान न हो पाना आदि तमाम कारण इस उदासीनता का कारण रहे हैं।

मतदान प्रतिशत पर पड़ सकती है मौसम की मार

अब जब चुनाव की प्रक्रिया जारी है भले ही तमाम जगहों से निर्विरोध चुनाव होने की खबरें आ रही हों तथा इस बार पढ़े-लिखे बेरोजगार युवकों के अलावा कुछ सेवा निवृत अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ-साथ आईटी और आईआईटी क्षेत्रों में कार्यरत लोगो को नौकरी छोड़कर पंचायत चुनाव लड़कर जन सेवा के क्षेत्र में आने की खबरें आम हो लेकिन इसके साथ ही विषम भौगोलिक परिस्थितियों और मानसूनी आपदा प्रभावित इस चुनाव में मतदान करने कितने लोग घरों से निकल पाते हैं यह एक बड़ी समस्या बना हुआ है। वही इन चुनावों को लेकर हाईकोर्ट में दायर पी.आई.एल. जिस पर कल मंगलवार को सुनवाई होनी है कल क्या फैसला लिया जाएगा इस पर भी इन चुनावों का हो पाना और न हो पाना निर्भर करेगा। पर्याप्त और संवैधानिक नियमों के अनुकूल प्रत्याशियों का न मिलना और अत्यंत कम मतदान प्रतिशत रहना इस चुनाव को सिर्फ औपचारिकता भर बना सकता है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बबूल के बाग

भले ही नेताओं को तल्ख और भड़काऊ सांप्रदायिक भाषणों से कोई फर्क न पड़ता हो तथा उनके लिए हिंदू और मुस्लिम करने से उनका कुछ न जा रहा हो लेकिन उनके द्वारा समाज में फैलाये जाने वाले उन्माद का खामियाजा देश और समाज को भोगने से बचा पाना संभव नहीं है। इसकी प्रतिक्रियाएं कब और कहां किस रूप में पेश आ सकती हैं? इसका अनुमान लगाना संभव नहीं है। उत्तराखंड में बीते तीन दिन में घटित होने वाली अगर कुछ घटनाओं पर गौर किया जाए तो शायद आपको भी समझ आ जाएगा कि अपने राजनीतिक हितों के लिए जो बबूल के बाग बीते सालों में बोय गए हैं उनके कांटे अब कितने तीखे हो चुके हैं और वह किस तरह जनता के पैरों को लहू लुहान कर रहे हैं। मंगलौर में सड़क चलते एक कार ने कावड़ को छू लिया। इस घटना को लेकर कांवड़ियों ने कार में सवार लोगों को इस कदर पीटा कि वह लहूलुहान हो गए कार में सवार एक महिला और बच्ची भी इसमें घायल हो गई। कार सवार लोगों ने फोन कर अपने परिचितों को बुला लिया तो मामला इतना अधिक गंभीर हो गया कि कई थानों की पुलिस को बुलाना पड़ा। तब जाकर कहीं मामला शांत हो सका। अभी तो कावड़ मेला शुरू भी नहीं हुआ है। 11 जुलाई से शुरू होने वाले इस मेले से पहले ही बवाल की शुरुआत हो गई है। दूसरी ओर कावड़ यात्रा मार्गों पर खाने का काम करने वाले होटल, ढाबों रेस्टोरेंटों, रेड़ी ठेली लगाने वालों को अपनी पहचान उजागर करने को लेकर भारी विवाद छिड़ा हुआ है। यह मामला बीते साल भी सुर्खियों में रहा था वही इस साल यह मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड में व्यापक स्तर पर मजार और मदरसों पर जो बुलडोजर और सीलिंग की कार्रवाई हो रही है वह तो हो ही रही है बीते तीन दिनों में देहरादून में तीन बच्चियों के साथ रेप और हत्या जैसी वारदातें सामने आ चुकी हैं। तीन दिन पहले ऋषिकेश में एक सार्वजनिक शौचालय में एक 13 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया था इसके बाद बीते कल डोईवाला में एक कूड़ा बीनने वाली बच्ची को एक क्रेशर के कर्मचारियों द्वारा बंधक बनाने और कमरे में उसका शव फांसी पर लटका मिलने के मामले ने लोगों को सड़कों पर उतरने पर मजबूर कर दिया। डोईवाला कोतवाली पर प्रदर्शन करने वालों में से एक महिला चींख-चींख कर कह रही थी कि इन मुसलमान को यहां से मार-मार कर भगाओ। आरोपियों में दूसरे समुदाय के लोगों के होने की बात कही जा रही है इस लड़की के साथ क्या हुआ क्यों हुआ इसका खुलासा जांच और मेडिकल रिपोर्ट से ही होगा। लेकिन यह पहली मर्तबा नहीं है। जिस लव जेहाद और थूक जेहाद की बात बीते कई सालों से हो रही है उसे लेकर पहाड़ लंबे समय से सुलग रहा है। किसी भी एक समुदाय के साथ कोई अन्य समुदाय अगर बदले और नफरत की भावना से अगर ऐसी घटनाओं को अंजाम देता है तो यह समाज के लिए एक अत्यंत चिंतनीय व विनाशकारी सोच ही कहीं जा सकती है।

संयुक्त नागरिक संगठन ने अवैध निर्माणों को लेकर राज्यपाल को लिखा पत्र

देहरादून (कासं)। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण की अवैध निर्माणों को कंपाउंड कर वैध बनाने की प्रवृत्ति/ प्रावधानों को निरस्त करने/ भ्रष्टाचार की प्रतीक नोएडा की अंसल कंपनी के अवैध ट्विन टावर्स को बारूद से ध्वस्त करने जैसे प्राविधान उत्तराखंड के अवैध निर्माणों पर भी लागू करने की मांग करते हुए राज्यपाल उत्तराखंड से की गई मांग। संयुक्त नागरिक संगठन देहरादून द्वारा भेजे गए पत्र में, जनहित याचिका एमबी/113/2025 में एमडीडीए के क्षेत्र (ऋषिकेश) में अवैध निर्माणों को रोकने में असफल रहे एमडीए के अध्यक्ष, सचिव,सहायक अभियंता तथा सचिव शहरी विकास आदि की कार्य प्रणाली पर गंभीर रुख अपनाते हुए उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा इनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश पर, गहरा क्षोभ प्रगट किया गया है।

ज्ञातव है की 3 जुलाई 25 को संबंधित प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा 9 जुलाई को सभी अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। संगठन सचिव द्वारा कहा गया है कि आमजन में इस प्रकरण को लेकर गहरा दुख है और यह प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री धामी जो भ्रष्टाचार मुक्त राज्य के संकल्प के साथ जी जान से जुटे हैं, की प्रतिष्ठा पर भी गहरा आघात है और शासन प्रशासन के लिए भी शर्मनाक है।

बताया गया है कि प्राधिकरण द्वारा ऋषिकेश में अवैध निर्माणों को पूर्व में सील किया गया था परंतु बाद में अवैध निर्माण को कंपाउंड करते हुए फिर मानचित्र स्वीकृत कर दिया गया जो आपत्तिजनक है। संगठन सचिव सुशील त्यागी ने मांग की है कि पूरे उत्तराखंड में शहरी विकास विभाग/मसूरी दून विकास प्राधिकरण/ हरिद्वार विकास प्राधिकरण जैसी सभी सरकारी संस्थानों के क्षेत्रों में भू माफियाओ द्वारा बनाए जा रहे अवैध निर्माणों की दिनरात व्यापक निगरानी/ सर्वेक्षण हेतु ड्रोन कैमरो तकनीकी का उपयोग 24 घंटे करना जरूरी है जिससे अवैध निर्माण, अवैध प्लाटिंग, अनधिकृत प्लाटिंग की खरीद फरोख्त रजिस्ट्री, प्रचार-प्रसार पर भी पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए। पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, सचिव आवास को भी भेजी गई है।

वरिष्ठ भाजपा नेता महिपाल राणा ने थामा कांग्रेस का हाथ

संवाददाता

देहरादून। टिहरी के वरिष्ठ भाजपा नेता महिपाल सिंह राणा ने भाजपा छोड कांग्रेस का दामन थामने हुए कांग्रेस प्रत्याशी जोत सिंह रावत को समर्थन दिया।

आज यहां जिला टिहरी गढ़वाल की धनोल्टी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को झटका देते हुए जिले के कद्दावर नेता महिपाल सिंह राणा ने भाजपा से त्यागपत्र दे कर कांग्रेस का दामन थाम लिया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने अपने कैंप कार्यालय में महिपाल सिंह राणा को पार्टी का पटका पहना कर विधिवत रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। महिपाल सिंह राणा ने जिला पंचायत चुनावों के लिए धनोल्टी विधानसभा क्षेत्र की सरतली जिला पंचायत वार्ड 14 से अपना नाम वापस ले कर कांग्रेस के समर्थित उम्मीदवार जोत सिंह रावत को समर्थन देने की घोषणा भी की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज भाजपा में केवल धन बल के आधार पर पंचायत से लेकर लोक सभा तक के टिकट मिल रहे हैं और ऐसे में ईमानदार कार्यकर्ताओं अब भाजपा में कोई काम नहीं रह गया। उन्होंने कहा कि वे अब पूरी ताकत से कांग्रेस को जितने के लिए कार्य करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि पूरे प्रदेश में पंचायत चुनावों में कांग्रेस पार्टी को अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है और पार्टी त्रि स्तरीय पंचायत चुनावों में पूरे प्रदेश में जबरदस्त प्रदर्शन करने जा रही है। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी विजय गुसाईं, अमरेन्द्र सिंह बिष्ट, दर्शन नौटियाल, जोत सिंह रावत, संदीप सज्वाण उपस्थित थे।

पुलिस ने गाड़ी से उतारी काली फिल्म, चालान काटा

संवाददाता

टिहरी। नरेन्द्र नगर पुलिस द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी नरेन्द्र नगर के निर्देशन में थाना क्षेत्र में चलाए गए चैकिंग अभियान का कड़ाई से पालन करते हुए ऑपरेशन लगाम के अंतर्गत सभी वाहनों से काली फिल्म (सन फिल्म/टिंटेड ग्लास) हटाने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान सार्वजनिक सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। चौकी जाजल थाना नरेंद्रनगर क्षेत्र में, इस अभियान के तहत एक वाहन पर लगी काली फिल्म को मौके पर ही हटवाया गया। वाहन स्कॉर्पियो रंग काली के चालक ने इस नियम का उल्लंघन किया, उनके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत उचित कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान भी किया गया। थाना नरेंद्र नगर पुलिस ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे स्वेच्छा से अपने वाहनों पर लगी काली फिल्मों को हटा दें, ऐसा न करने पर नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

करबला शहीदों की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और द नेशनल हेल्पिंग हैंड की टीम की ओर से मोहर्रम के दिन हजरत इमाम हुसैन और करबला के शहीदों की याद में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सभी वर्ग के लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और अपना खून देश सेवा के नाम पर दान किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के कार्यालय अधीक्षक (प्रशिक्षण) रवि कपूर को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने द नैशनल हेल्पिंग हैंड के कार्यालय में चल रहे इस रक्तदान शिविर में पहुंच कर रक्तदाताओं की हौंसला आफजाई की।

सिटी चेरिटेबल ब्लड सेंटर, रुड़की के साथ लगाए गए इस रक्तदान शिविर में भारी संख्या में लोग पहुंचे जिनको मुख्य अतिथि रवि कपूर ने प्रमाणपत्र देकर और मेडल पहना कर सम्मानित भी किया। द नैशनल हेल्पिंग हैंड के अध्यक्ष नौशाद हाशमी ने कहा कि रक्तदान के लिए युवाओं में अभी और भी जागरूकता फैलानी है क्योंकि खून एक ऐसी चीज है जो न तो किसी फैक्ट्री में बनता है और न ही किसी दुकान पर मिलता है। इसके लिए तो हमें और हमारे युवाओं को खुद आगे आना होगा और ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करना होगा जिससे किसी भी जरूरतमंद की जान रक्त की कमी से न जाए। रवि कपूर ने द नैशनल हेल्पिंग हैंड की टीम को भी सम्मानित किया और इस संस्था के द्वारा कराए जा रहे समाज सेवी कार्यों की सराहना की। द नेशनल हेल्पिंग हैंड संस्था से शिविर के आयोजन में डॉ बीएल शर्मा, अब्दुल रहमान, रियासत अली, सरफराज मलिक, शाहनजर, अखलाक खान, इनाम आदि उपस्थित रहे।

खल्टा वन पंचायत में किया वन महोत्सव का आयोजन

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। विकासखंड सल्ट स्थित खल्टा वन पंचायत में वन महोत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभागीय वनाधिकारी (अतिरिक्त भूमि संरक्षण), रामनगर शिवी जोशी के निर्देशन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर ग्रामीणों, वन अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी में बांज, पदम, तेजपत्ता, आंवला सहित विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। वन क्षेत्राधिकारी सल्ट बची सिंह बजेठा ने इस मौके पर ग्रामीणों को वन महोत्सव के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि पेड़-पौधे केवल प्रकृति का सौंदर्य नहीं बढ़ाते, बल्कि जीवन का आधार हैं। जो पौधे लगाए गए हैं, उनकी

सुरक्षा और संरक्षण में सभी ग्रामीणों की भागीदारी जरूरी है, तभी यह पौधारोपण अभियान सफल और सार्थक होगा।

❑फलदार व छायादार पौधे लगाये

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व परियोजना निदेशक उरेडा लीला दत्त शर्मा और वन पंचायत सरपंच राम दत्त धौलाखंडी ने की।

उन्होंने भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। इस मौके पर ग्रामीणों ने पौधों की देखभाल और सुरक्षा की शपथ ली। वहीं इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, छात्र-छात्राएं और वन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

नारी शक्ति की डिजिटल उड़ान- तरक्की की नई परिभाषा

सावित्री ठाकुर

वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक निर्णायक बदलाव की शुरुआत हुई, तभी से भारत ने डिजिटल प्रगति की एक नई दिशा पकड़ी। इन 11 वर्षों में डिजिटल इंडिया मिशन' जैसे जन-केंद्रित अभियानों ने करोड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित किया है-विशेषकर महिलाओं के लिए यह परिवर्तन आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण और सम्मान की ओर एक ऐतिहासिक कदम साबित हुआ है। आज की 21वीं सदी में तकनीक सिर्फ शासन और अर्थव्यवस्था को ही नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना को भी बदल रही है। और इस बदलाव की सबसे सशक्त मिसाल हैं वे महिलाएं, जो डिजिटल युग में नए अवसरों के साथ नई उड़ान भर रही हैं। पहले डिजिटल साक्षरता बड़े शहरों तक ही सीमित थी, लेकिन वहां भी इसकी पहुंच कम थी, और ग्रामीण महिलाओं के लिए तो तकनीक जैसे कहीं थी ही नहीं। लेकिन डिजिटल इंडिया' मिशन के तहत शुरू किए गए योजनाबद्ध प्रयासों ने इस तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है।

विशेष रूप से 2017 में प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान ने करोड़ों ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल रूप से सशक्त किया है। अब वे स्मार्टफोन, इंटरनेट और डिजिटल टूल्स के माध्यम से सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सेवाओं, टेलीमेडिसिन और अन्य सुविधाओं का सीधे लाभ उठा रही हैं। इस अभियान के तहत 6 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें 53ब से ज़्यादा महिलाएं हैं। साथ ही, स्वयं सहायता समूहों को ऑनलाइन लेनदेन, उद्यमिता और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसरों से जुड़ पा रही हैं।

2014 में शुरू हुई प्रधानमंत्री जन धन योजना, जो जेएएम ट्रिनिटी ट्रिनिटी (जनधन, आधार, मोबाइल) के साथ मिलकर विश्व का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम बन चुकी है, ने भारत में आर्थिक सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी है। पहले जहाँ करोड़ों महिलाओं के पास बैंक खाते तक नहीं थे और सरकारी लाभ बिचौलियों के हाथों में चले जाते थे, वहीं अब जनधन, आधार और मोबाइल की ट्रिनिटी ने वित्तीय समावेशन को एक नई दिशा दी है। इस डिजिटल क्रांति के कारण महिलाएं सीधे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के ज़रिए अपने बैंक खातों में योजनाओं का लाभ पा रही हैं। इससे पारदर्शिता के साथ-साथ महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और पारिवारिक फैसलों में उनकी भूमिका भी मजबूत हुई है।

एक समय था जब महिलाओं के छोटे व्यवसाय घर की चारदीवारी तक ही सीमित रहते थे और बाज़ार तक पहुंच बनाना एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन बीते वर्षों में महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स और लघु उद्योगों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है। महिला ई-हाट और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस जैसे मंचों के माध्यम से अब महिलाएं न केवल अपने उत्पाद ऑनलाइन बेच रही हैं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में भी अपनी पहचान बना रही हैं। सोशल मीडिया, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम ने उन्हें एक उद्यमी के रूप में आगे बढ़ने और अपना ब्रांड खड़ा करने का आत्मविश्वास दिया है।

स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा में तकनीक की भूमिका

पोषण ट्रैकर, आरसीएच पोर्टल और ईसंजीवनी जैसे डिजिटल टूल्स ने माताओं एवं एवं बच्चों से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी को बेहद आसान और प्रभावशाली बना दिया है। अब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा बहनें मोबाइल ऐप्स की मदद से लाभार्थियों की निगरानी, रिपोर्टिंग और सेवा वितरण का कार्य आसानी से कर पा रही हैं।

महिलाओं की सुरक्षा लंबे समय तक एक ऐसा क्षेत्र रहा, जहाँ तकनीक और त्वरित सहायता तंत्र की गंभीर कमी महसूस होती थी। इस कमी को दूर करने के लिए मोदी सरकार ने ईआरएसएस-112, पैनिक बटन और महिला सुरक्षा ऐप्स जैसे प्रभावशाली उपाय लागू किए, जिनसे अब महिलाएं सार्वजनिक स्थलों पर खुद को पहले से कहीं ज़्यादा सुरक्षित महसूस कर रही हैं।

एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, और गणित) में महिलाओं की भागीदारी

एसटीईएम जैसे क्षेत्रों में लड़कियों की भागीदारी कभी सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब हालात तेज़ी से बदल रहे हैं। विज्ञान ज्योति और बुद्धिमान-किरण योजना जैसी पहलें छात्राओं को एसटीईएम क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। भारतीय महिलाएं अब अंतरिक्ष अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम

पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल तकनीक महिलाओं के जीवन में अभूतपूर्व क्रांति लाई है। 2014 से अब तक समावेशी नीतियों, योजनाबद्ध प्रशिक्षण और तकनीक की पहुँच के ज़रिए लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर किया गया है। अमृत काल की ओर बढ़ते भारत में यह परिवर्तन महिलाओं को केवल भागीदार ही नहीं, बल्कि विकास यात्रा की अगुवा बना रहा है। एक डिजिटल रूप से सशक्त महिला आज केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकसित भारत की निर्माता है।

(लेखिका महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री भारत सरकार हैं)

बारिश में कैसे बचें कान की बीमारियों से ?

कान में इन्फेक्शन वैसे तो किसी भी मौसम में हो सकता है, लेकिन बारिश का मौसम अन्य मौसम की तुलना में अधिक इन्फेक्शन पैदा करने वाला होता है। ऐसे में आपके लिए पेश है जरूरी सुझाव, जो आपको कान की बीमारियों व इन्फेक्शन से बचाने में मदद करेंगे। बारिश में संक्रमण फैलने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। संक्रमण के कारण ही बारिश में कान के रोग भी पनपते हैं, जो फैलने पर आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। आइए जानें विस्तार से...

मनुष्य के कान महत्वपूर्ण ज्ञानेंद्रिय हैं, जो मुख्यत: दो कार्य करते हैं :

1. सुनना या शब्द श्रवण 2. शरीर को बैलेंस करना

कान के शरीर रचना की दृष्टि से तीन भाग हैं :

(1) बाह्य कर्ण, (2) मध्य कर्ण व (3) अंत:कर्ण।

अंत:कर्ण की रचनाओं में विकार आने पर प्रमुखत: चक्कर आना, चलने में परेशानी एवं उल्टी होना या उल्टी होने की इच्छा होना तथा विभिन्न प्रकार की आवाजें कान में आना जैसे लक्षण सामने आते हैं। कान के प्रत्येक अंग की सामूहिक ठीक क्रिया के द्वारा मनुष्य ठीक प्रकार से सुनता है। इन अंगों में से कान के पर्दे से लेकर मध्य कर्ण एवं अंत:कर्ण के अंगों में विकार होने पर विभिन्न प्रकार की श्रवणहीनता की स्थिति उत्पन्न होती है।

सामान्यत: कान से मवाद आने को मरीज गंभीरता से नहीं लेता, इसे अत्यंत गंभीरता से लेकर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श एवं चिकित्सा अवश्य लेना चाहिए अन्यथा यह कभी-कभी गंभीर व्याधियों जैसे मेनिनजाइटिस एवं मस्तिष्क के एक विशेष प्रकार के कैंसर को उत्पन्न कर सकता है।

कान में मवाद किसी भी उम्र में आ सकता है, किंतु प्राय: यह एक वर्ष से छोटे बच्चों या ऐसे बच्चों में ज्यादा होता है जो मां की गोद में ही रहते हैं। तात्पर्य स्पष्ट है जो बैठ नहीं सकते या करवट नहीं ले सकते। कान से मवाद आने का स्थान मध्य कर्ण का संक्रमण है।

मध्य कर्ण में सूजन होकर, पककर पर्दा फटकर मवाद आने लगता है। मध्य कान में संक्रमण पहुंचने के तीन रास्ते हैं, जिसमें 80-90 प्रतिशत कारण गले से कान जोड़ने वाली नली है। इसके द्वारा नाक एवं गले की सामान्य सर्दी-जुकाम, टांसिलाइटिस, खांसी आदि कारणों से मध्य कर्ण में संक्रमण पहुंचता है।

बच्चों की गले से कान को जोड़ने वाली नली चूंकि छोटी एवं चौड़ी होती है, अत: दूध पिलाने वाली माताओं को हमेशा बच्चे को गोद में लेकर सिर के नीचे हाथ लगाकर, सिर को थोड़ा ऊपर उठाकर ही बच्चे को दूध पिलाना चाहिए। ऐसी माताएं जो लेटे-लेटे बच्चों को दूध पिलाती हैं उन बच्चों में भी कान बहने की समस्या उत्पन्न होने की ज्यादा आशंका रहती है।

आयुर्वेद की दृष्टि से सर्दी-जुकाम आदि हों तो निम्न उपाय तत्काल प्रारंभ कर देना चाहिए। सरसों के तेल को गर्म कर पेट, पीठ, छाती, चेहरे, सिर पर सुबह-शाम मालिश करना चाहिए।

दुनियाभर में ऐसे लाखों लोग मिल जाएंगे, जो बहरेपन के शिकार हैं। कम सुनाई देना या फिर बिलकुल भी सुनाई न देना बहरापन कहलाता है।

इसकी शुरुआत बहुत हल्के से होती है फिर धीरे-धीरे यह बहरेपन जैसी गंभीर समस्या बनकर उभर आती है। अगर आपको किसी के द्वारा जोर से बोलने पर भी सुनने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, तो आपको सुनने की समस्या हो सकती है।

सलाह आपके लिए -

* अगर आपको सुनाई देना कम हो गया हो या कान में इंफेक्शन हो तो तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लें।

* तेज आवाज में लगातार इयरफोन से संगीत न सुनें।

* घर पर कानों की सफाई की कोशिश ना करें यह काम विशेषज्ञ से ही कराएं।

* प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल न करें।

मानसून के दौरान बालों की देखभाल करने के लिए अपनाएं आयुर्वेदिक टिप्स

जैसे-जैसे मौसम में बदलता है, वैसे-वैसे हेयर रूटीन में भी बदलाव करने की जरूरत होती है क्योंकि हर मौसम कुछ समस्याओं के साथ आता है। अभी मानसून आने वाला है और इस मौसम में अगर आप अपने बालों को तरह-तरह की समस्याओं से बचाए रखकर उन्हें स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इनकी अतिरिक्त देखभाल करें।

तेल मालिश है जरूरी

मानसून के दौरान सिर में खुजली, रूसी, बालों का झड़ना और रूखापन आना आदि समस्याएं होना आम बात हैं क्योंकि यह मौसम काफी उमस भरा होता है, जिसके कारण काफी पसीना आता है। अगर आप अपने सिर इन समस्याओं से बचाए रखना चाहते हैं तो नियमित रूप से हल्के हाथों से पूरे सिर की तेल मालिश करें। तिल या फिर बादाम का तेल बालों के स्वास्थ्य में सुधार करने समेत रूसी और खुजली जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

मानसून में होममेड हेयर पैक लगाएं

होममेड हेयर पैक बनाने के लिए दो बड़ी चम्मच मेथी के दानों को रातभर के लिए पानी में भिगो दें, फिर अगली सुबह उन्हें मिक्सी में पीसकर एक कटोरी में निकालें। अब कटोरी में एक बड़ी चम्मच एलोवेरा जेल और आधी बड़ी चम्मच तिल का तेल डालकर मिलाएं। सिर धोने से एक घंटे पहले इस मिश्रण को पूरे स्कैल्प और बालों की लंबाई में लगाएं। यह होममेड पैक सिर को मानसून की कई समस्याओं से बचाए रखने में मदद करेगा।

बालों को स्वस्थ रखने के लिए डाइट टिप्स

अपने आहार में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें, जो बालों को पोषित करने में मदद कर सकें। जैसे बादाम बायोटिन से भरपूर होते हैं और स्वस्थ बालों के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। इसके अतिरिक्त, कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर तिल के बीज बालों को पोषण देते हैं। आप अपने दैनिक आहार में भुने हुए तिल को सलाद और चटनी में मिलाकर खा सकते हैं। हरी सब्जियां भी बालों के स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद हैं।

बारीश में भीग जाएं तो बालों को जरूर धोएं

जब कभी बारिश में आपके बाल भीग जाएं तो उन्हें जरूर धोएं क्योंकि बालों में फंसा बारी का अम्लीय पानी आपके स्कैल्प के पीएच को असंतुलित कर सकता है, जिससे बालों की समस्या और भी बढ़ सकती है। इसलिए बारिश में भीगने के बाद अपने बालों को एक गुणवत्तापूर्ण शैंपू और कंडीशनर से साफ करें। इसके बाद अपने सिर को प्राकृतिक तरीके से सुखाएं।

मानसून के दौरान अपने लेदर के बैग्स को ठीक रखना चाहते हैं तो अपनाएं ये टिप्स

मानसून के दौरान लेदर के बैग्स को फैशन का हिस्सा बनाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है क्योंकि इस मौसम में नमी और हवा में मौजूद कीटाणु लेदर के बैग्स को खराब कर सकते हैं। इनके कारण बैग्स पर फफूंद लगने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अगर आप अब इस सोच में पड़ गए हैं कि लेदर का बैग्स का कैसे ध्यान रखा जाए तो आइए आज हम आपको इसके लिए कुछ टिप्स देते हैं।

पानी से बचाकर रखें अपने बैग

शायद आप इस बात से वाकिफ न हों, लेकिन ज्यादातर लेदर के बैग वॉटरप्रूफ नहीं होते हैं, इसलिए यह पानी के संपर्क में आने से खराब हो सकते हैं। अगर किसी कारणवश आपका लेदर बैग गीला हो जाता है तो आप बीजवैक्स (मोम) का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि बीजवैक्स के इस्तेमाल से बैग की चमक कम हो सकती है, इसलिए जितना संभव हो सके अपने बैग को पानी से दूर रखने की कोशिश करें।

अपने बैग ठीक से सुखाएं और सीधी धूप से दूर रखें

घर लौटते ही अपने लेदर के बैग को कुछ घंटों के लिए सीलिंग फैन के नीचे रखें ताकि उस पर जमा हुई नमी ठीक से सूख जाए। अगर आप जल्दी में हैं और अपने लेदर के बैग को सीधी धूप में या हीटर के पास सूखने के लिए छोड़ देते हैं तो आपको बता दें कि ऐसा करना गलत है। अत्यधिक तापमान और सीधी धूप आपके लेदर के बैग को नुकसान पहुंचा सकती है।

ऐसे हटाएं बैग से दाग और निशान

अगर आपके लेदर के बैग पर इंक का निशान या किसी खाद्य पदार्थ के गिरने का दाग लग गया है तो इसे आप आसानी से हटा सकते हैं। उदाहरण के लिए इंक का निशान हटाने के लिए रुई के छोटे टुकड़े पर थोड़ा सा अल्कोहल डालकर इससे बैग को साफ करें। इसके बाद बैग को थोड़ी देर के लिए हल्की धूप में रख दें। खाद्य पदार्थों के दागों को हटाने के लिए नींबू के रस का इस्तेमाल करें।

जूतों की तरह अपने लेदर के बैग को नमी से बचाने और उसके प्राकृतिक तेलों के संतुलन को बनाए रखने के लिए नियमित अंतराल पर पॉलिश करना सुनिश्चित करें। पॉलिश करने से लेदर की प्राकृतिक चमक बढ़ जाती है, जिससे बैग की शेल्फ लाइफ भी बढ़ जाती है। बैग का आकार बनाए रखने और क्रीजिंग या फोल्डिंग को रोकने के लिए बैग को अखबारों में लपेटे, फिर एक डिब्बे के अंदर रखकर स्टोर करें।

बरसात में बदबूदार हो गई है बेडशीट तो आपके काम आएँगे ये टिप्स

भारतीय लोग मानसून के मौसम को बहुत पसंद करते हैं। हालाँकि इस मौसम में घर का हाल बुरा हो जाता है। जी दरअसल बरसात में हवा में नमी होने के चलते कई चीजों से बदबू भी आने लगती है और इसी में शामिल होती है बेडशीट। बरसात में बेडशीट से भी एक अजीब किस्म की बदबू आने लगती है। वहीं इस दुर्गन्ध के चलते एक दिन के बाद ही बेडशीट को बदलना पड़ जाता है। हालाँकि अगर आप भी बेडशीट से आने वाली बरसाती बदबू से परेशान रहते हैं तो फिर आप इन टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले करें ये काम- बारिश के मौसम में गद्दा या फिर बेडशीट से बदबू आए तो इसके लिए नॉर्मल डिटर्जेंट से साफ करने की जगह आप कुछ अन्य चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल सफाई के दौरान आप बेकिंग सोडा या सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एसेंशियल ऑयल्स का करें इस्तेमाल – आप चाहे तो एसेंशियल ऑयल्स का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जी दरअसल इससे रूम भी सुगंधित रहेगा और बेडशीट भी। वहीं अगर आपको लैवेंडर ऑयल पसंद है तो सबसे पहले एक चम्मच ऑयल में तीन से चार कॉटन को अच्छे से भिगोकर बेड से सभी कोने पर रख दें। इससे कभी भी बदबू नहीं आएगी।

धूप में जरूर रखें- बेडशीट को कुछ समय के लिए धूप में ज़रूर रखें। जी हाँ क्योंकि इससे बेडशीट में मौजूद नमी दूर हो जाती है, जिसके कारण बेडशीट से किसी भी तरह की दुर्गन्ध नहीं आती है। आप सप्ताह में एक से दो बार बेडशीट को धूप में रख सकते हैं।

इन गलतियों को करने से बचें-

* मानसून में बेडशीट से कोई बदबू नहीं आए इसके लिए भीगे पैर बेड पर चढ़ने से बचें। गीले कपड़े को बेडशीट के ऊपर रखने से बचें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

रक्तदान करने के बाद इन खाद्य पदार्थों का करें सेवन, मिलेंगे कई फायदे

रक्तदान एक महान कार्य है, जो न केवल दूसरों की मदद करता है, बल्कि आपको भी मानसिक शांति देता है। हालांकि, रक्तदान के बाद शरीर में कमजोरी महसूस हो सकती है। इस कमजोरी को दूर करने के लिए सही खान-पान बहुत जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन रक्तदान के बाद करना फायदेमंद हो सकता है और इससे आपको जल्दी ऊर्जा मिल सकती है।

पालक

पालक आयरन का बेहतरीन स्त्रोत है, जो लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में मदद कर सकता है। खून में लाल रक्त कोशिकाओं का स्तर बढ़ाने के लिए रोजाना पालक का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। आप चाहें तो पालक को सलाद या सूप के रूप में भी अपनी खाने में शामिल कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त पालक को दाल या फिर किसी सब्जी के रूप में भी खा सकते हैं।

पपीता

पपीता भी आयरन से भरपूर फल है, जो शरीर में खून की कमी को पूरा करने में मदद कर सकता है।

पपीते में विटामिन ए और विटामिन सी भी होता है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। पपीते का सेवन करने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और थकान भी दूर होती है। इसके अलावा पपीते में मौजूद तत्व त्वचा को ताजगी प्रदान करने में भी मदद करते हैं।

कीवी

रक्तदान के बाद शरीर में आयरन की कमी हो जाती है, जिसे पूरा करने में कीवी मदद कर सकती है।

कीवी में विटामिन-सी होता है, जो आयरन के अवशोषण को बढ़ावा देता है। इसके अलावा कीवी में फाइबर भी होता है, जो पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है।

रोजाना एक या दो कीवी का सेवन करने से शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है और थकान दूर होती है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं।

काजू

काजू में मैग्नीशियम, पोटेशियम और जिंक जैसे खनिज होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने में योगदान देते हैं। इसके अलावा काजू में मौजूद स्वस्थ वसा और प्रोटीन मांसपेशियों को मजबूती प्रदान कर सकती है। साथ ही काजू का सेवन करने से शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है और थकान दूर होती है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं।

लाभ के लिए रोजाना 5-6 काजू खाएं, यह आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

दाल

रक्तदान के बाद दाल का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है क्योंकि दाल आयरन, प्रोटीन, फाइबर और अन्य जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होती है। आयरन लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में मदद करता है, जबकि प्रोटीन और फाइबर शरीर को ऊर्जा प्रदान करने में सहायक होते हैं। इन खाद्य पदार्थों को खाने के अलावा शरीर को हाइड्रेट रखना भी जरूरी है, जिसके लिए पानी, नींबू पानी और नारियल पानी को पिएं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -96

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

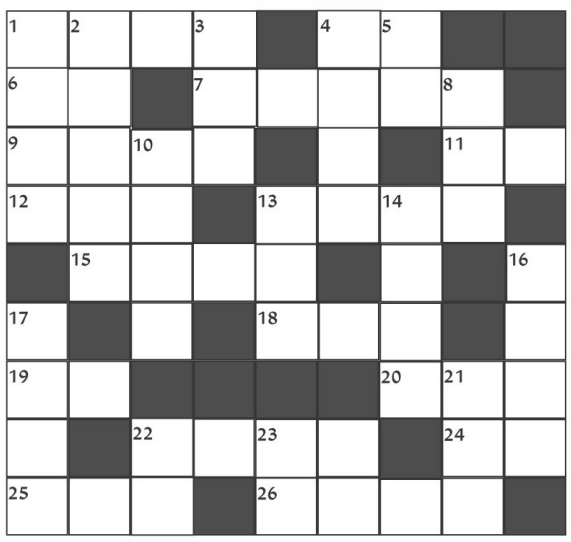

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 95 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी द फैमिली मैन 3

सीरीज फैमिली मैन' में मनोज बाजपेयी, श्रीकांत तिवारी का किरदार निभाते हैं। श्रीकांत एक स्पॉई एजेंट है। इस सीरीज के पहले दो सीजन कोदर्शकों ने काफी पसंद किया है। जल्द ही द फैमिली मैन' सीरीज का अगला सीजन भी आएगा। दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाने के लिए हाल ही में नएसीजन का एक पोस्टर शेयर किया है। हाल ही में द फैमिली मैन' के नए सीजन का जो पोस्टर रिलीज हुआ है, उसमें घने जंगलों के बीच श्रीकांत यानी मनोज बाजपेयी का किरदार नजर आरहा है। पोस्टर में आसपास बंदूक हाथ में लिए आंतकी नजर आ रहे हैं। इस बार श्रीकांत किस तरह के सीक्रेट मिशन पर है, इस बात का खुलासासीरीज के आने के बाद ही होगा। द फैमिली मैन' की सीरीज में मनोज बाजपेयी के अलावा प्रियामणि और शारिब हाशमी भी अहम किरदारों में नजर आते हैं। प्रियामणि साउथ कीजानी-मानी एक्ट्रेस हैं, इस सीरीज में वह श्रीकांत यानी मनोज बाजपेयी के किरदार की पत्नी का रोल करती हैं। शारिब हाश्मी, मनोज बाजपेयी केकिरदार के दोस्त और कुलीग बने हैं।

वेब सीरीज द फैमिली मैन' को लेकर एक खबर यह भी थी, इसमें जयदीप अहलावत भी नजर आएंगे। पिछले दिनों इस सीरीज के बारे में जयदीप नेबात भी की थी। वह इस सीरीज का हिस्सा बनकर और मनोज बाजपेयी के साथ एक्टिंग करके काफी खुश हैं।

इस वेब सीरीज को राज निदिमोरू और कृष्णा डीके द्वारा प्रोड्यूस, डायरेक्ट किया गया है। यह सीरीज जल्द ही अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी।

सन ऑफ सरदार 2 की सामने आई स्टार कास्ट, पोस्टर में दिखा सबका लुक

आगामी जुलाई में बॉलीवुड से साल 2025 की अब तक की सबसे बड़ी कॉमेडी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 रिलीज होने जा रही है। फिल्म से हाल ही में अजय देवगन का फर्स्ट लुक आउट हुआ था। इसके बाद से दर्शकों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म से बाकी की स्टार कास्ट के चेहरे भी सामने आ चुके हैं। सन ऑफ सरदार 2 के मेकर्स ने आज फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें फिल्म की हीरोइन मृणाल ठाकुर भी नजर आ रही हैं।

सन ऑफ सरदार 2 के नए पोस्टर्स को शेयर कर लिखा गया है, यै फैमिली फोटो नहीं है।।। यह होने वाले धमाके की वार्निंग है, सन ऑफ सरदार 2 आगामी 25 जुलाई को शुरू होगी। पोस्टर की बात करें तो इसमें अजय देवगन, मृणाल ठाकुर, संजय मिश्रा, विंदू दारा सिंह, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, रोशनी वालिया, साहिल मेहता नजर आ रहे हैं, लेकिन संजय दत्त के फैंस के लिए चिंता का सवाल है कि वह पोस्टर से नदारद हैं।

बता दें, साल 2012 में फिल्म का पहला पार्ट सन ऑफ सरदार रिलीज हुआ था, जिसमें संजय दत्त ने शानदार रोल प्ले किया था। सन ऑफ सरदार साल 2012 की हिट फिल्मों में शामिल है और बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला शाहरुख खान और कैटरीना कैफ स्टारर फिल्म जब तक है जान से हुआ था।

बता दें, अजय देवगन ने 6 अगस्त 2024 को फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग शुरू की थी। एक्टर ने सेट से एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें फिल्म की पूजा-पाठ की गई थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग के वीडियो वायरल होने लगे थे। फिल्म की हीरोइन मृणाल ठाकुर हैं और बीते दिनों मृणाल ने भी सन ऑफ सरदार 2 के सेट से एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें एक्ट्रेस ने अपनी शूटिंग के दिनों का जिक्र किया था।

श्री माया एंटरटेनमेंट्स की कॉमेडी एंटरटेनर डॉन बॉस्को में मिरना मेनन मुख्य भूमिका में

उभरते हुए प्रोडक्शन हाउस श्री माया एंटरटेनमेंट्स एक मजेदार कॉमेडी एंटरटेनर डॉन बॉस्को लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म को निर्माता सैलेश रामा ने बनाया है। इस फिल्म में सफल निर्माता नागा वामसी के जीजा रुश्या मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म हाल ही में लॉन्च हुई है और इसकी शूटिंग तेजी से चल रही है। आज, निर्माताओं ने खूबसूरत मिरना मेनन को फिल्म में शामिल किया है, जिन्हें जेलर और ना सामी रंगा के लिए जाना जाता है।

मुरली शर्मा प्रिंसिपल विश्वनाथ की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, और मिरना मेनन लेक्चरर सुमति की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म में मौनिका, राजकुमार कासिरेड्डी, विष्णु ओई और अन्य कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जो एक मनोरंजक यात्रा का वादा करते हैं। फिल्म का नाम डॉन बॉस्को है और पोस्टर पर दिलचस्प कैप्शन है क्लास रीयूनियन में आपका स्वागत है - बैच 2014 और सभी रीयूनियन यादों के बारे में नहीं होते; कुछ मोचन के बारे में होते हैं, जो जिज्ञासा को बढ़ाता है।

इस रोमांचक मनोरंजक फिल्म को शंकर गौरी ने लिखा और निर्देशित किया है। एडुरोलू राजू सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं जबकि मार्क के रॉबिन संगीत दे रहे हैं।

अभिषेक बच्चन को एक बच्चे से मिली जिंदगी की बड़ी सीख!

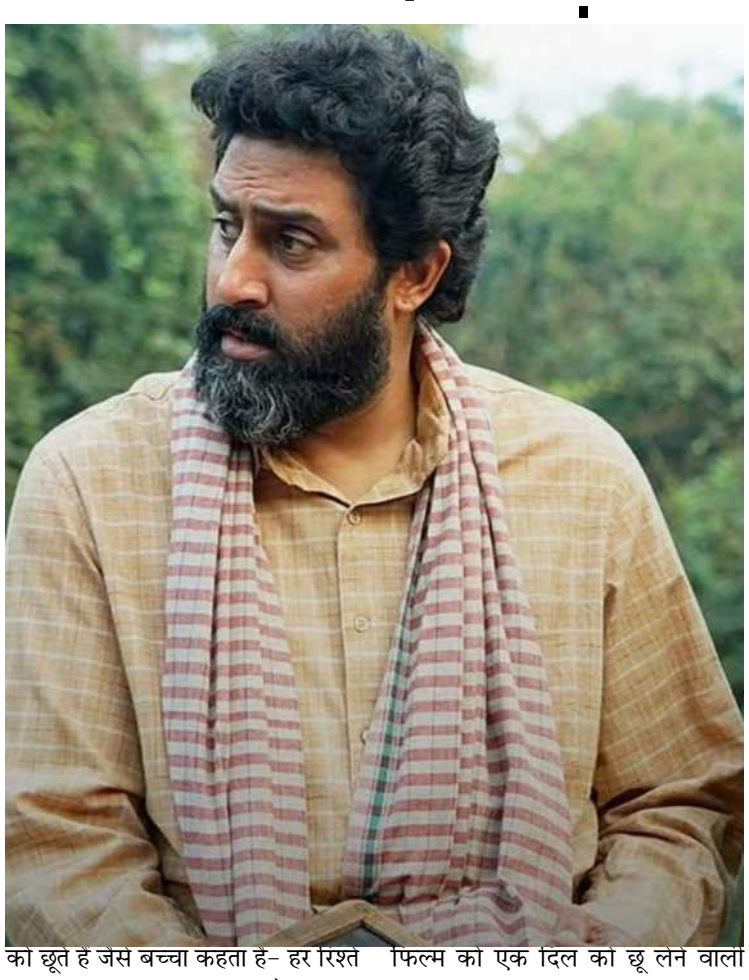

अभिषेक बच्चन इन दिनों रियलिस्टिक सिनेमा में पकड़ बना रहे हैं और लोग उन्हें इस तरह के रोल में पसंद भी करते हैं। उनकी पिछली दो फिल्में आई वांट टू टॉक, और बी हैप्पी बहुत ही सिंपल और आम लोगों से जुड़ने वाली कहानियां थीं। जिनमें उनका आम सा दिखने वाला कैरेक्टर जिंदगी की बड़ी सीख दे जाता है। इन दोनों ही फिल्मों को लोगों ने पसंद किया, खासकर अभिषेक की एक्टिंग को सराहना मिली। अब एक बार फिर से जूनियर बच्चन एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो आपके दिल को छू जाएगी। फिल्म का नाम है- कालीधर लापता, इसकी एक झलक आप इसके ट्रेलर में देख सकते हैं।

अभिषेक बच्चन स्टारर कालीधर लापता का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया। फिल्म का ट्रेलर शानदार और दिल को छूने वाला है। क्योंकि अभिषेक इस फिल्म में किसी नामी आदमी या ओवर अचीवर से नहीं बल्कि एक बच्चे से जिंदगी जीना सीख रहे हैं। दरअसल किसी वजह से परेशान होकर अभिषेक का किरदार कालीधर अपना घर छोड़कर चला जाता है, बाहर उसे एक 12-13 साल का बच्चा मिलता है जो उसे जिंदगी की छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढना सीखाता है। साथ ही उसे खुद के लिए जीने के लिए इंस्पायर करता है। कालीधर के घरवाले उसे ढूंढने की कोशिश करते हैं लेकिन वह यह जानते हुए भी घर नहीं जाना जाता है।

तो कैसे एक अपनो को छोड़कर एक अजनबी बच्चे संग कालीधर अपनी एक अलग दुनिया बसाता है यही उसकी कहानी है। ट्रेलर में कई ऐसे डायलॉग हैं जो दिल को छूते हैं जैसे बच्चा कहता है- हर रिश्ते की एक एक्सपायरी डेट होती है, अब से अपने लिए जीना सीखो, वो करो जो तुम्हारा मन करे। जिसके बाद कालीधर हर वो छोटी छोटी चीजें करता है जो वो कभी करना चाहता था।

ट्रेलर में कॉमेडी, ड्रामा, सस्पेंस, इमोशन सबकुछ देखने को मिलेगा। अभिषेक ने अपने एक्स हैंडल पर ट्रेलर शेयर करते हुए कहा, कभी-कभी लाइफ में दूसरा मौका मिलने लगता है और यही वह समय होता है जब सबसे अलग एक्सपीरियंस और रिश्ते बनते हैं। उन्होंने फिल्म को एक दिल को छू लेने वाली स्लाइस-ऑफ-लाइफ फिल्म भी कहा।

कहानी, म्यूजिक और डायलॉग के साथ फिल्म की कास्ट भी बेहतरीन है। अभिषेक बच्चन, कालीधर का किरदार निभा रहे हैं वहीं दैविक बगेला (बल्लू) और जीशान अय्युब अहम रोल में हैं। फिल्म को मधुमिता ने निर्देशित की है और जी स्टूडियो ने प्रोड्यूस की है। कालीधर लापता 4 जुलाई को जी5 पर प्रीमियर होने वाली है। अभिषेक हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आए जो अभी सिनेमाघरों में चल रही है।

पिंक शिमरी कटआउट ड्रेस में कंगना शर्मा ने बिखेरा हुस्न का जलवा

एक्ट्रेस और मॉडल कंगना शर्मा ने एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में उन्होंने पिंक शिमरी कटआउट ड्रेस में अपनी कुछ बेहद स्टनिंग तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं। इस बोल्ड ड्रेस में उनका स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट अवतार फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इस पिंक बॉडीकॉन ड्रेस में मोतियों और शाइनी डिटेलिंग के साथ वन-शोल्डर डिज़ाइन और कटआउट पैटर्न उनके ग्लैमर को और भी बढ़ा रहा है। कंगना ने अपने लुक को मिनिमल ज्वेलरी, न्यूड पिंक मेकअप और सॉफ्ट वेव हेयरस्टाइल से कंप्लीट किया है। उनके इस ग्लैम लुक को सोशल मीडिया यूज़र्स से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक यूज़र ने लिखा -दिवा , तो दूसरे ने कहा -बहुत सुन्दर चित्र कंगना दीदी जी ।

कंगना शर्मा हमेशा से ही अपने बोल्ड फैशन चॉइस और स्टाइलिश अपीयरेंस को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनका यह लेटेस्ट लुक इस बात का प्रमाण है कि वह किसी भी रेड कार्पेट या फोटोशूट को अपने आत्मविश्वास और ग्रेस से चमका सकती हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना शर्मा म्यूजिक वीडियो और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में सक्रिय हैं और अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस का दिल जीत रही हैं। उनका यह स्टनिंग लुक एक बार फिर साबित करता है कि वह फैशन और फोटोजेनिक अपील के मामले में पीछे नहीं हैं।

पहाड़ों के बीच से गुजरती उम्मीदों की ट्रेन: कश्मीर की रेल क्रांति

जया वर्मा सिन्हा

जून के एक खुशगवार दिन, गेंदे के फूलों और राष्ट्रीय गौरव से लदी हुई वंदे भारत एक्सप्रेस ने श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर तक अपनी पहली यात्रा शुरू की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झंडी दिखाए जाने के बाद, यह क्षण एक हाई-स्पीड ट्रेन के शुभारंभ से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण बन गया था। यह एक सदी पुराने सपने की परिणति थी - जो चट्टानी इरादों, दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प से बुनी गयी थी। और वह संकल्प था – कश्मीर का शेष भारत के साथ रेल एकीकरण। इस ट्रेन में यात्रा कर रहे लोगों के खुशनुमा चेहरों से यह साफ़ दृष्टिगोचर हो रहा है।

अल्ट्रा आधुनिक यात्रा अनुभव के साथ कश्मीर जाने वाली यह ट्रेन हमारे इंजीनियरों के परिश्रम की ठोस नींव पर आधारित है। यात्रा के समय में कमी लाते हुए, यह हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनें दिन में दो बार, सप्ताह में छह बार दोनों तरफ़ से चल रही हैं। ये न केवल घाटी में स्थानीय आर्थिक विकास के लिए आवश्यक प्रोत्साहन दे रही हैं, बल्कि देश भर के पर्यटकों के लिए भी वरदान साबित हो रही हैं। अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तीन घंटे के कम समय की इस मनमोहक यात्रा ने वास्तव में पर्वतीय कश्मीर को सभी मौसमों में शेष भारत के साथ एकीकृत कर दिया है। सड़क मार्ग से इस यात्रा में छह से सात घंटे लग जाते हैं।

दशकों से, कश्मीर की कहानी संघर्ष और दूरी के नजरिये से सुनी जाती रही है। यह देखना अब उत्साहजनक है कि यह इबारत बुनियादी ढांचे – पुल, सुरंग और पहाड़ों के बीच से गुजरती रेल लाइनों की भाषा में फिर से लिखी जा रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शासन के 11 साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर, विशेष ट्रेनें और कनेक्टिंग लिंक कश्मीर में स्थानीय लोगों की नियति बदलने के लिए कमर कसकर तैयार हैं।

राष्ट्र की सेवा के अपने 172 साल के इतिहास में, भारतीय रेल ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। रेल से जुड़ी, पुरुषों और महिलाओं की समर्पित पीढ़ियों ने संपर्क और परिवहन को रोजमर्रा की हकीकत बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। लेकिन यह एक विख्यात भारतीय विज्ञापन की एक मशहूर पंक्ति को चरितार्थ भी करती है- भारतीय रेल सिर्फ पटरियां नहीं बनाती - यह राष्ट्रीय एकता का ताना-बाना भी बुनती है!

ऐतिहासिक रूप से देखें तो कश्मीर का अलगाव केवल रूपक भर नहीं था, बल्कि यह भौगोलिक और कष्टदायी रूप से वास्तविक भी था। हिमालय की ऊंचाइयों पर बसा और अक्सर हफ्तों तक बर्फ से ढका रहने वाला यह क्षेत्र न केवल पहुंच में बल्कि अनुभव में भी दुर्गम था। सड़कें खतरनाक थीं, हवाई यात्रा सीमित थी और लंबे समय से किया जा रहा पूर्ण रेल संपर्क का वायदा एक मृगतृष्णा बनकर रह गया था।

कश्मीर रेल लिंक के लिए ब्रिटिश काल का प्रस्ताव दशकों तक ड्राइंग बोर्ड पर सीमित रहा, जो जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से बाधित था। विचार-विमर्शों, व्यवहार्यता अध्ययनों, तकनीकी मूल्यांकनों और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ परामर्शों के अनगिनत दौर के बाद, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) को आधिकारिक तौर पर 1994 में मंजूरी दी गई थी। उत्तरी और दक्षिणी अनुभागों में जहां निरंतर प्रगति होती रही और एक दशक के भीतर वे प्रभावी रूप से पूरे भी हो गए, कटरा से बनिहाल तक के केंद्रीय अनुभाग में हिमालय से जुड़ी कई इंजीनियरिंग और सुरक्षा चुनौतियां सामने आईं। वर्षों तक पहाड़ों की खाई से गुजरती यह रेल लाइनें दो अलग-अलग खंडों के रूप में बाधित रहीं। लेकिन यह खाई केवल भौतिक भूभाग से ही जुड़ी नहीं थी, बल्कि यह किसी और चीज की भी प्रतीक थी। यूएसबीआरएल परियोजना को पूरा करने का अंतिम ठोस प्रयास तब हुआ जब सरकार ने इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित किया। दृढ़ संकल्प और अत्याधुनिक तकनीक के समन्वय से काम करने के बाद आखिर इस परियोजना ने वास्तव में आकार ले ही लिया। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बिलकुल सटीक टिप्पणी की; यह एक परिवहन पहल भर नहीं थी, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक प्रयास थी।

यूएसबीआरएल परियोजना शायद आज़ादी के बाद की सबसे महत्वाकांक्षी रेल पहल है। उधमपुर और बारामूला के बीच 272 किलोमीटर का यह हिस्सा 40 सुरंगों और 900 से ज़्यादा पुलों से होकर गुज़रता है। और इस सबके बीच में कीर्तिमान स्थापित कर रहा है – चिनाब ब्रिज – जो नदी के तल से 359 मीटर ऊपर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है। इंजीनियरिंग का यह चमत्कार 260 किलोमीटर प्रति घंटे की हवा की रफ़्तार और भूकंपीय क्षेत्र-5 के झटकों को झेलने में सक्षम है। इसके बगल में अंजी खाद ब्रिज है, जो भारत का पहला केबल-स्टेड रेलवे ब्रिज है। यह घाटी में असमान रूप से फैला हुआ है, सिंगल पायलन इसका आधार है और यह 96 केबलों द्वारा समर्थित है। पीर पंजाल रेंज से गुजरने वाली 11 किलोमीटर लंबी टी-80 (बनिहाल - काजीगुंड) सुरंग सहित अन्य सुरंगों का निर्माण डायनामाइट और इन्सानी क्षमता के जरिये चट्टान को तराश कर किया गया है।

भौतिक सर्वेक्षण घोड़े पर सवार होकर किए गए, जबकि ड्रोन और सैटेलाइट इमेजिंग ने हवाई सर्वेक्षण में सहायता प्रदान की। श्रमिकों ने हाड़ कंपकपाती सर्दियों, आकस्मिक भूस्खलनों और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमलों के मंडराते खतरे के बावजूद अनथक काम किया।

आज, 190 किलोमीटर से अधिक सुरंगों और हजारों टन स्टील लगने के बाद, यह लाइन पूरी तरह से तैयार है। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो सटीक इंजीनियरिंग को विजन की एक निश्चित साहसिकता के साथ जोड़ती है। यह घाटी को देश के बाकी हिस्सों से विशिष्ट प्रकार से जोड़ती है, जिसका एक महान सांकेतिक महत्व है।

कई मायनों में, वंदे भारत एक्सप्रेस सिर्फ़ एक ट्रेन नहीं है - यह एक रूपक है। यह घास के मैदानों और घाटियों से चुपचाप गुज़रती है, वास्तविक और मनोवैज्ञानिक दोनों तरह की दूरियों को पाटती है और यह ऐलान करती है कि कश्मीर अब दूर नहीं रहा!

इसने श्रीनगर और कटरा के बीच यात्रा के समय को लगभग छह घंटे से घटाकर सिर्फ़ तीन घंटे कर दिया है। जो कभी भूस्खलन, खतरनाक मोड़ और अप्रत्याशित मौसम के बीच एक दुर्गम सड़क यात्रा थी, वह अब सुरंगों और पुलों के माध्यम से एक अविश्वसनीय सुगम यात्रा बन गयी है।

यह न केवल शहरों को, बल्कि जीवनों को भी जोड़ती है। दूर-दराज के गांवों के बच्चे अब जम्मू और दिल्ली के विश्वविद्यालयों के बारे में बात कर रहे हैं। स्थानीय कारीगर, सेब उत्पादक और कालीन बुनकर अब अपने ताज़ा उत्पादों को त्वरित गति से घाटी से परे दूरदराज के बाज़ारों तक पहुंचते हुए देख रहे हैं।

श्रीनगर में एक युवा दुकानदार ने कहा, जहां पहले चेकपॉइंट होते थे और उससे खासी देरी होती थी, वहां अब ट्रेन की आवाज़ गूंज रही है। ऐसा लगता है कि अब हम देश के बाकी हिस्सों के आने का इंतज़ार नहीं कर रहे हैं – हम उसके साथ चल रहे हैं।

इसका मतलब यह बताना नहीं है कि एक ट्रेन कश्मीर की जटिल समस्याओं का समाधान कर देगी। बुनियादी ढांचा इतिहास को मिटा नहीं सकता या घावों को तुरंत ठीक नहीं कर सकता – सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर अभी भी ध्यान देने की आवश्यकता होगी। लेकिन यह – शाब्दिक और प्रतीकात्मक – दोनों तरह से दरवाजे खोल सकता है और आर्थिक, सामाजिक और अंततः भावनात्मक एकीकरण की नींव रख सकता है। औपनिवेशिक कार्यालयों में ड्राइंग बोर्ड पर कभी एक सपने के रूप में जो आरंभ हुआ, वह हिमालय की चट्टानों के साथ मिलकर और स्टील से बनी रेलगाड़ियों के रूप में आज एक वास्तविकता बन गया है। कश्मीर तक रेल लाइन एक ऐसे देश की कहानी है जिसने भूभाग, आतंक या समय की सीमा की परवाह नहीं की। पहाड़ों की छाया से लेकर सूरज की रोशनी से जगमगाते स्टेशनों तक, अब एक नई यात्रा शुरू हो गई है!

लेखिका पूर्व सीईओ और रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष हैं

सू- दोकू क्र. 96

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.95 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

गरीबी तो घटी, पर गरीबों का जीवन ज्यादा नहीं बदला

हाल ही में आई विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2011-12 में भारत में चरम गरीबी 27.1 प्रतिशत थी, जो 2022-23 में घटकर सिर्फ 5.3 प्रतिशत रह गई। इस दौरान लगभग 27 करोड़ लोग गरीबी-रेखा से ऊपर आ गए हैं। यह आंकड़ा बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन यह निष्कर्ष गरीबी आंकने के तरीके पर सवाल खड़े करता है। क्या हम भारत में कुछ ही लोगों को गरीब मान रहे हैं या गरीबी के पूरे दायरे को समझने में विफल हो रहे हैं?

भारत में गरीबी मापने का पैमाना मुख्य रूप से आय या उपभोग है। यह अभाव के बारे में बहुत कुछ नहीं कहता। तेंदुलकर समिति और बाद में रंगराजन समिति ने उपभोग के तरीके में आ रहे बदलाव को दर्शाने के लिए गरीबी रेखा में सुधार तो किया,पर मानदंड आय को ही बनाए रखा। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, यानी यूएनडीपी के बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) सहित सभी मानक इस बात पर जोर देते हैं कि गरीबी के आकलन में शिक्षा, स्वास्थ्य व जीवन स्तर के अभावों को भी शामिल किया जाना चाहिए। आलोचकों का कहना है, महामारी के बाद बिना किसी जमीनी सर्वेक्षण के केवल अनुमानित आंकड़ों पर आधारित ये निष्कर्ष प्रगति की टेढ़ी-मेढ़ी तस्वीर पेश करते हैं। ये लोगों को मिली सुविधाओं या व्यवस्था की कमियों को ठीक से सामने नहीं लाते।

गरीबी घटने के इस अनुमान को मान भी लें, तो यह किसके फायदे में है? आय में वृद्धि तो हुई है, पर स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, परिवहन और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसी आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं तक लोगों की पहुंच में कमी बनी हुई है। बहुसंख्यक आबादी के लिए इन सुविधाओं को प्राप्त करना टेढ़ी खीर है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में 2011-12 में 65 प्रतिशत तक अति-गरीबी थी। अब देश में जो गरीबी में कमी दर्ज की गई है, उनमें इन राज्यों में ही दो-तिहाई तक कमी बताई गई है। मगर 'असमानता सूचकांक रिपोर्ट 2025' में इन राज्यों में विषमता की तस्वीर अधिक गहरी है। असमानता सूचकांक पांच कसौटियों- बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक सेवा और कानूनी मदद की उपलब्धता पर राज्यों का आकलन करता है। इसमें उत्तर प्रदेश और बिहार 'आकांक्षी' श्रेणी में बने हुए हैं। उत्तर प्रदेश में केवल 19 प्रतिशत और बिहार में 21.5 फीसदी परिवारों को खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन मिल पाता है। उधर, गोवा में 90 प्रतिशत परिवार पक्के घरों में रहते हैं, जबकि केरल में 83.4 प्रतिशत और तमिलनाडु में 87.9 प्रतिशत हैं। इनके मुकाबले बिहार, यूपी, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य बहुत पीछे हैं। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2021' रिपोर्ट द्वारा घरेलू आय के आंकड़ों का विश्लेषण कोविड के आर्थिक प्रभाव को उजागर करता है। इस विश्लेषण के अनुसार, सबसे निचली 10 प्रतिशत आबादी की आय में 27 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई, जबकि 40 से 50 फीसदी आबादी की आय में 23 प्रतिशत व शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों की कमाई में 22 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इसी तरह 'हंगर वॉच सर्वेक्षण' ने 2022 में बताया कि 80 प्रतिशत प्रतिभागियों ने किसी न किसी रूप में खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया, जिसमें 25 प्रतिशत गंभीर संकट (जैसे भूखे रहने) में थे। सर्वेक्षण के शुरुआती महीने में 41 प्रतिशत लोगों ने अपने आहार की पोषण गुणवत्ता में गिरावट की शिकायत की, जबकि 67 प्रतिशत लोगों ने बताया कि वे रसोई गैस खरीदने में असमर्थ हैं। 2022 में प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि महामारी के कारण भारत में लगभग साढे सात करोड़ नए लोग गरीबी की खाई में चले गए। बाद में 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2023' के अध्ययन में भी इसकी पुष्टि की गई।

पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना वआयुष्मान भारत जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों ने लोगों की सुविधाओं को बढ़ाने और नगदी हस्तांतरण में सुधार किया है, पर चुनौतियां कायम हैं। इनकी बारीकी से जांच करने पर हकीकत पता चलेगी। हमें संस्थागत क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति व सार्वजनिक वस्तुओं के समान वितरण पर ध्यान देना चाहिए। (आरएनएस)

जौनसार को उच्च शिक्षा से जोड़ने वाले राजेन्द्र तोमर को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। सरदार महिपाल राजेन्द्र जनजातिय महाविद्यालय में जौनसार को उच्च शिक्षा से जोडने वाले राजेन्द्र तोकर में उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। आज यहां सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय महाविद्यालय, साहिया में स्वर्गीय राजेंद्र सिंह तोमर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। महाविद्यालय के अध्यक्ष अनिल सिंह तोमर ने उन्हें 'भावविनी श्रद्धांजलि' अर्पित करते हुए कहा कि स्व. राजेंद्र सिंह तोमर ने अपने जीवनकाल में जौनसार क्षेत्र में उच्च शिक्षा को पहुँचाने के लिए जो कार्य किए, वे आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1980 के दशक में जौनसार-बावर के साहिया क्षेत्र में डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए जो ऐतिहासिक आंदोलन प्रारंभ हुआ, उसमें राजेंद्र सिंह तोमर ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हीं की दूरदर्शी सोच और अटूट संकल्प का परिणाम है कि आज साहिया डिग्री कॉलेज न केवल एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है, बल्कि जनजातीय क्षेत्र के छात्रों के लिए आशा एवं प्रगति का केंद्र बन चुका है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रवि कुमार ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व. राजेंद्र सिंह तोमर जी का त्याग, संकल्प और लक्ष्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने छात्रों से महाविद्यालय की गरिमा बनाए रखने और उसके संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका जलाल, बनीता तोमर, गंभीर सिंह, मुकेश तोमर, रीता तोमर, सुरभि वर्मा, खुशी बिष्ट, नरेश चौहान, रितेश चौहान आदि शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मकान का ताला तोड लाखों के जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से लाखों रूपये के जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भानियावाला निवासी श्याम सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ 30 जून को बाहर गये थे। आज जब वह वापस आये तो उन्होंने देखा कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से लाखों रूपये के सोने चांदी के जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डम्पर की चपेट में आकर रैपीडो बाईक सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। डम्पर की चपेट में आकर रैपीडो बाईक सवार के घायल हो जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच श ुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रैपीडो बाईक चालक एमडीडीए कालोनी ट्रांसपोर्ट नगर निवासी सुशांत कुमार पाण्डेय अपनी बाईक से घर की तरफ जा रहा था जब वह आईएसबीटी के पास पहुंचा तभी एक डम्पर ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों की मदद से उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने सभावाला हाईवे पुल के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 9.51 ग्राम स्मैक बरामद कर ली।

पूछताछ में उसने अपना नाम अकबर पुत्र खुर्शीद निवासी खुशहाल पुलिस बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

उत्पीड़न के विरोध में लघु व्यापारियों ने किया जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता

हरिद्वार। अतिक्रमण के नाम पर लघु व्यापारियों के शोषण व उत्पीडन के खिलाफ लघु व्यापारियों ने प्रदर्शन किया।

आज यहां अतिक्रमण के नाम पर नगर निगम प्रशासन द्वारा रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के शोषण व उत्पीड़न के विरोध में विष्णु घाट ललतारो घाट ,अलकनंदा घाट, दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग मार्ग के लघु व्यापारियों ने सयुंक्त रुप से ललतारो घाट से लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अगवाई में जोरदार प्रदर्शन कर कावड़ मेले के दौरान सभी मेला पार्किंग को के नजदीक रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को दोहराया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार नगर निगम प्रशासन द्वारा नगर निगम क्षेत्र में रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को विक्रिया प्रमाण परिचय पत्र कारोबारी लाइसेंस निर्गत किया जा चुके हैं लेकिन नगर निगम के कर्मचारियों अधिकारियों द्वारा कारोबारी लाइसेंस धारक रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों का शोषण व उत्पीड़न किया जाना उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली का उल्लंघन किया जा रहा है जो की दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा शीघ्र ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट वार्ता कर लघु व्यापारियों की समस्या के निदान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उत्तराखंड शासन नगर नीति नियमावली के नियम अनुसार समस्त कावड़ मेला क्षेत्र में रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते लघु व्यापारियों में कामिनी मिश्रा, सीमा देवी, पुष्पा दास, इंदिरा देवी ,पूनम, मुन्नी देवी ,सावित्री, आशा, सुमन ,अंजू पाल ,सुनीता, अनुज त्रिवेदी ,हरीश कुमार ,चंदन दास ,वीरेंद्र कुमार, राजू रावत, मानसिंह बिष्ट, चंदन रावत ,कमल कुमार, हरेंद्र, ओमप्रकाश आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

दो पेटी शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने दो पेटी शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल द्वारा जनपद में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम/ऑपरेशन लगाम एवं त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी चंबा के निर्देशन में थाना चंबा की पुलिस टीम उ.नि. नवीन नौटियाल हैडकांस्टेबल संतोष सिंह, भारत सिंह द्वारा महिपाल सिंह पुत्र पूरण निवासी पटूडी नागणी पट्टी बमुण्ड थाना चम्बा जनपद टिहरी गढवाल से एक कट्टे में 96 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब (2 .पेटी.)बरामद की गयी। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कांवड़ मेला के दृष्टिगत मुनि की रेती में घाटों पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए

संवाददाता

टिहरी। कांवड मेला के दृष्टिगत पुलिस ने मुनि की रेती में घाटों पर चेतावनी बोर्ड लगाए गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 11जुलाई से आरंभ होने वाले कांवड़ मेले में सुरक्षा की दृष्टि से मुनि की रेती पुलिस द्वारा नदी किनारे घाटों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे है।

राज्य में लगातार हो रही वर्षा से नदियों का जल स्तर यकायक बढ़ गया है जिस कारण पुलिस द्वारा 'प्रतिबंधित क्षेत्र' के चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे है। लाउड इन हेलर के माध्यम से भी लोगों को नदी तट पर जाने से रोका जा रहा है। जल पुलिस के जवान लगातार लोगों को सुरक्षित स्थानों की तरफ भेज रहे हैं। इसके अतिरिक्त पुलिस दुकानदारों, होटल मालिकों से रेट लिस्ट लगाने के लिए कह रही है ताकि कांवड़ मेला के दौरान विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। एसएसपी आयुष अग्रवाल ने कांवड़ मेला सकुशल संपन्न करने हेतु प्रतिबद्धता जाहिर की है। उन्होंने बताया कि जनपद टिहरी को कांवड़ मेला के दृष्टिगत 04 सुपर जोन, 06, जोन तथा 10 सेक्टर में बांटा गया है। टिहरी पुलिस इस बार भी पूरे जोश से कांवड़ मेला सकुशल सम्पन्न कराएगी।

गुरु श्री तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। गुरू श्री तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

आज यहां नवम गुरु श्री गुरु तेग बहादुर सहिब हिन्द की चादर के 350 वे शहीदी पूर्व कों लेकर श्री गुरु हरकिशन सहिब कीर्तन एकेडमी, द्वारा रेस कोर्स के अमरीक हॉल में विचार गोष्टी का आयोजन किया गया जिसमें अकाल पुरख की फौज व उत्तराखंड सिख कोर्डिनेशन कमेटी का सहयोग और सहभागिता रहीवहीं रेस कोर्स गुरुद्वारा कमेटी का भी विशेष सहयोग रहा इस सेमिनार में 400से 500 का हजूम ने इस सेमिनार में भाग लिया

इस सेमिनार में वक्ता के रूप में प्रोफेसर मानिदर पाल सिंह ने विचार रखते हुए कहाँ कि गुरुओं द्वारा सर्व सांझी वालता का संदेश दें कर मानवता की भलाई का संदेश दिया उन्होंने आपस में जाति पात के भेद कों खत्म कर अन्याय का प्रतीकार करने कों कहाँ और सभे सांझीवाल सदाईन के संदेश कों जग जग के कोने कोने में फैलाया इस अवसर पर सतपाल सिंह, दलजीत सिंह, डी पी सिंह, हरविंदर सिंह, जसदीप सिंह, गुरदीप सिंह सहोता, तलवेन्द्र सिंह, गगन दीप कौर, जबजीत सिंह, श्री गुरु हर किशन सहिब कीर्तन विद्यालय के बच्चे आदि मौजूद रहें।

सीएम धामी ने दिखाई 20 टेम्पो ट्रैवलर को हरी झंडी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से आयोजित एक समारोह में उत्तराखण्ड परिवहन निगम द्वारा संचालित की जा रही 20 नई वातानुकूलित यूटीसी मिनी (टैम्पो ट्रेवलर) का फ्लैग ऑफ किया। इनमें से 10 टैम्पो ट्रेवलर वाहन देहरादून-मसूरी और 10 टैम्पो ट्रेवलर वाहन हल्द्वानी नैनीताल रूट पर चलेंगे। इससे नैनीताल- हल्द्वानी और देहरादून - मसूरी के बीच जाम की समस्या में भी कमी आयेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल सफल रही तो, इस तरह की सेवाओं की संख्या और बढ़ाई जायेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कैम्प कार्यालय से जीटीसी हेलीपैड तक टैम्पो ट्रेवलर से सफर भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वातानुकुलित टैम्पो ट्रैवलर राज्य के परिवहन तंत्र को

❑10 टैम्पो ट्रेवलर देहरादून-मसूरी व 10 टैम्पो ट्रेवलर हल्द्वानी-नैनीताल रुट पर चलेंगे

सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इनसे यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और किफायती यात्रा की सुविधा मिल सकेगी तथा प्रदेश की आर्थिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि राज्य के प्रत्येक क्षेत्र को बेहतर सड़क नेटवर्क और विश्वसनीय परिवहन सेवाओं से जोड़ा जाए। आज डिजिटल टिकटिंग, ऑनलाइन बुकिंग, ट्रैकिंग सिस्टम जैसी सेवाओं द्वारा परिवहन विभाग जनता को सुलभ यात्रा उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड परिवहन निगम को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप लगातार तीन वर्षों से परिवहन निगम मुनाफे में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन निगम के बस बेड़े में जल्द ही इलेक्ट्रिक बसों का भी समावेश किया जायेगा, जिसके लिए बसों की खरीद की प्रक्रिया गतिमान है। सरकार ने अपने कर्मचारियों और चालक-परिचालकों की कई समस्याओं का समाधान किया है। डीए में बढ़ोतरी करना हो, 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करना हो या निगम में भर्तियों के माध्यम से मानव संसाधन बढ़ाना हो, पूरी प्रतिबद्धता के साथ उनके कल्याण के लिए कार्य किये जा रहे हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष उत्तराखण्ड परिवहन निगम एल. फैनई, एमडी परिवहन निगम श्रीमती रीना जोशी और परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड के 6 राजनैतिक दलों को चुनाव आयोग का नोटिस

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में बीते छह साल से निष्क्रिय 6 अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को चुनाव आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया।

आज यहां भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में उत्तराखण्ड में बीते 6 साल से निष्क्रिय 6 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। ये सभी वे दल हैं जिन्होंने वर्ष 2019 से अब तक छह वर्षों में एक भी चुनाव में

6 साल से निष्क्रिय दलों को जारी किया गया नोटिस, 15 दिन में देना होगा जवाब

प्रतिभाग नहीं किया है और जिनके कार्यालयों का कोई भौतिक पता भी नहीं मिल पाया है। दलों को इस नोटिस का जवाब 21 जुलाई शाम 5 बजे तक कर दिया है। आयोग के निर्देशानुसार उत्तराखण्ड में वर्तमान में 42 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से कई दल ऐसे हैं जो पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों (आर यू पी पी) बने रहने की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, इस संबंध में उत्तराखण्ड के 6 ऐसे दलों की पहचान की गई है। इन दलों की अंतिम डीलिस्टिंग का निर्णय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिया जाएगा। देश में राजनैतिक दलों (राष्ट्रीय/राज्यीय/अमान्यता) का पंजीकरण लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य इस पूरे अभ्यास में राजनैतिक व्यवस्था का शुद्धिकरण एवं चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। इन दलों को में भारतीय जनक्रान्ति पार्टी, हमारी जनमन्च पार्टी, मैदानी क्रान्ति दल,. प्रजा मण्डल पार्टी, राष्ट्रीय ग्राम विकास पार्टी, राष्ट्रीय जन सहाय दल शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने दिये हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत करने के निर्देश

देहरादून (सं)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री आवास में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत करने के निर्देश दिए। कुमाऊं क्षेत्र में यह मैराथन गुंजी से आदि कैलाश और गढ़वाल में नीति माणा से लेकर मलारी तक आयोजित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस आयोजन को वार्षिक पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया जाए और हर वर्ष निर्धारित तिथि पर इसका नियमित आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन तंत्र को अधिक सशक्त बनाने के साथ ही तय समय पर प्रभावितों को सहायता राशि उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। सीमांत एवं पर्वतीय क्षेत्रों में फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़/सोलर फेंसिंग के संबंध में विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री ने एलटी चयनितों को शीघ्र नियुक्ति का दिया आश्वासन

संवाददाता

देहरादून। एनटी चयनित अभ्यार्थियों ने शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से मुलाकात कर अपनी आपबीती सुनायी।

आज एल टी चयनित अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत से शिक्षा निदेशालय ननूरखेड़ा में मुलाकात कर अपनी आपबीती सुनाई व उनसे जल्द ही नियुक्ति प्रक्रिया बहाल करवाने व शीघ्र नियुक्ति मिलने की गुहार भी लगाई। मालूम हो कि विगत 83 दिनों से एल टी चयनित अभ्यर्थी शिक्षा निदेशालय में नियुक्ति की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं।

आज किसी कार्यक्रम में शिरकत करने निदेशालय पहुंचे शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत से अभ्यर्थियों ने मुलाकात कर एल टी मामले में होने वाली 14

जुलाई की सुनवाई में महाधिवक्ता से पैरवी करवाने व नियुक्ति प्रक्रिया बहाल करवाने की मांग की।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने अभ्यर्थियों को आश्वस्त किया की जल्दी ही भर्ती कोर्ट से बहाल करवाकर वे चयनितों को नियुक्ति देंगे। इस मौके पर जगदीश रावत,गजेंद्र नाथ,जुबिन, गुरुदेव राणा, आंनद भट्ट, तनवीर, मानसी, रश्मि, राधा, रिद्धि आदि मौजूद रहे।

सैनिक कल्याण मंत्री ने किया उपनल का औचक निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने उपनल कार्यालय को औचक निरीक्षण किया।

आज यहां सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने उपनल (उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड) के मुख्य कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में उपस्थिति पंजिका, फाइल प्रबंधन प्रणाली, शिकायत निवारण प्रक्रिया और सेवा प्रदाय की कार्यप्रणाली का गहन अवलोकन किया।

सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने अधिकारियों से उपनल द्वारा दी जा रही सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली। मंत्री ने उपनल

के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक और समयबद्ध सेवाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा कि उपनल के माध्यम से पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को रोजगार से जोड़ने का जो उद्देश्य है, उसे पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान सैनिक कल्याण मंत्री ने कुछ अभिलेखों और फाइलों का भी अवलोकन किया तथा अधिकारियों को अनावश्यक देरी से बचने और प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि उपनल की भूमिका पूर्व सैनिकों के पुनर्वास में महत्वपूर्ण है और इस संस्था को पूरी संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना चाहिए।

इस दौरान मंत्री जोशी ने उपनल कार्यालय के निकट स्थापित हैंडलूम स्टोर का भी निरीक्षण किया और वीर नारियों द्वारा तैयार उत्पादों का अवलोकन किया। इस दौरान उपनल के प्रबंध निदेशक बिग्रेडियर (सेनि) जेएनएस बिष्ट सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।